Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to introduce NCERT curriculum in all CBSE affiliated schools in the country-Laid.

श्री राकेश सिंह (जबलपुर): माननीय अध्यक्ष महोदय, किसी भी देश के लिए शिक्षा का अपना एक महत्व है। हमारे देश की मूलभूत शिक्षा प्रणाली पूरे विश्व में एक अलग पहचान रखती है।

अध्यक्ष महोदय, पूर्व की अपेक्षा अब हमारा देश शिक्षा के प्रति बहुत जागरूक हो गया है। अभिवावक आज अपने हिस्से की छोटी - बड़ी खुशियों को त्याग कर अपने बच्चों की शिक्षा पर अधिक व्यय कर रहे है। आज लोगो में शिक्षा के प्रति जागरूकता स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। किन्तु पूर्ववर्ती सरकारों ने शिक्षा के लिए सरकारी संस्थानों के बजाए पूरी शिक्षा व्यवस्था निजी हाथों में देने का प्रयास किया और देश के लगभग बहुत से शिक्षण संस्थान निजी हाथो मे चले गए।

निजी संस्थानों ने समय के साथ-साथ अपने पाठ्यक्रमों को तय करने शुरू किया, उदाहरण हेतु एक शहर में 20 निजी स्कूल है और सभी केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मण्डल (C.B.S.E.) से मान्यता प्राप्त है फिर भी सभी स्कूलो के पाठ्यक्रम अलग-अलग है।पाठ्यकर्मों के अलग-अलग होने और महेंगे प्रकाशक के कारण अभिवावकों पर पुस्तकों की खरीदी का भर बहुत अधिक पड़ रहा है।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार और मानव संसाधन विकास मंत्री से आग्रह करूंगा कि कम से कम सी.बी.एस.ई. मान्यता प्राप्त स्कूलो में एन.सी.ई.आर.टी (N.C.E.R.T.) के पाठ्यकर्मों को शामिल करना आनिवार्य किया जाना चाहिए, जिससे देश के विभिन्न प्रकाशकों की मनमानी से करोड़ो अभिवावकों को बचाया जा सके और सी.बी.एस.ई. से मान्यता प्राप्त सभी स्कूलो के पाठ्यकर्मों में समानता बनी रहे।